DIGNITY DIARIES
AUGUST 1, 2021 | ISSUE 31

गूंज..
GOONJ.. a voice, an effort
www.goonj.org

Rahat - Covid

हमारी प्रसंस्करण इकाई – लोगों की गरिमा का स्तंभ।

मुख्य बिंदु

- 27 राज्यो एवम् केंद्र शासित प्रदेशों में
- 13.60+ मिलियन टन राशन एवम् अन्य जरूरत की चीजे पहुंचाई
- 325,000+ किलोग्राम ताजा फल एवम् सब्जियां पहुंचाई
- 1.32+ मिलियन मास्क
- 1.60+ मिलियन सैनिटरी नैपकिन

चिकित्सा संबंधी–
पी. पी. ई किट, ऑक्सीजन सिलेंडरध्सानद्रक

तो हम कैसे बेहतर तैयारी करते हैं? और सामान्य स्थिति में वापस लौटते हैं । इसे शुरू करने के लिए एक आसान समाधान लोगों और प्रकृति को हम सभी के केंद्र में रखना हो सकता है। और इसे शुरू करने के लिए सबसे अच्छी जगह निश्चित रूप से हमारे पास है। गूंज में हमने अपनी प्रसंस्करण और उत्पादन इकाइयाँ शुरू की हैं। वर्षों से हमारी प्रसंस्करण इकाइयाँ मूल रूप से हमारे मॉडल के तंत्रिका केंद्र के रूप में कार्य कर रही हैं जो समाज के हित में कार्य करती हैं। हम बुनियादी बातों के लिए संघर्ष कर रही कई महिलाओं को विशेष रूप से रोजगार देते हैं। ये महिलाएं हमारी नायिकाएं हैं साथ ही नवाचार, जुनून, रचनात्मकता और कड़ी मेहनत की कहानियों का खजाना भी हैं। कोविड के महत्वपूर्ण एवम् नाजुक चरण में ये लोग सबसे अच्छी सामग्री के हजारों पैकेट को ग्रामीण और आपदा राहत किट में पैक कर रहे थे। इस अंक में हम आपको हमारी प्रसंस्करण इकाई की एक झलक दिखा रहे है इसलिए हम आपको इन खूबसूरत व्यक्तित्व के लोगो से मिलने के लिए आमंत्रित करते हैं जो इस जगह को विशेष बनाती हैं। हम आपको आपके नजदीकी गूंज सेंटर में आने का भी आमंत्रण देते है। हमे विश्वास है कि ये सभी पल आपके हृदय को जरूर भर देंगे।
(https://goonj.org/our-office/)

बड़ी आपदा/बाधाएं हमें नए तरीके से जुड़ने और चीजों को करने के बारे में सोचने का अवसर भी देती हैं। डिग्निटी डायरीज का यह अंक आपको बहुत सी झलक, आशा, नवप्रवर्तन और प्रेरणा प्रदान करेगा।

सप्रेम सहित
टीम गूंज

गूंज की महिलाएं – साहस की कुछ कहानियां

कौन

सिंधु ने पहले एक ब्यूटीशियन के रूप में काम किया लेकिन केरल में 2018 की बाढ़ में अपने उपकरण खो दिए। इसके बाद उन्होंने घर पर रहने और काम करने का फैसला किया क्योंकि उनके पति की आंखों की रोशनी कम होने का पता चला था।

क्या

सिंधु ने कपड़े के छोटे टुकड़ों से आसन बनाकर गूंज के साथ काम करना शुरू किया। गूंज इन आसनों को छोटे ग्रामीण स्कूलों के बच्चों को स्कूल किट के रूप में पहुँचाती है। जिन जगहों पर फर्नीचर नहीं है वहां बच्चे इस आसन का इस्तेमाल जमीन पर बैठने के लिए करते हैं।

400+
भारत भर के प्रोसेसिंग सेंटर में महिलाएं

कैसे

सिंधु ने छँटाई सामग्री के साथ काम करना शुरू किया और फिर आसन बनाने की ओर अग्रसर हुई। वह अब एक दिन में 2–3 आसन बनाती हैं।

प्रभाव

इस काम से वह अपने बेटे का सम्मानजनक तरीके से पालन–पोषण करते हुए 1 लाख रुपये का कर्ज चुकाने में सफल रही है। ऐसी कई सिंधु ऋषिकेश, बिहार, चेन्नई, केरल और कोच्चि में गुंज की स्वतंत्र उत्पादन इकाइयाँ चलाती हैं और एक सम्मानजनक जीवनयापन करती हैं।

गूंज चेन्नई का उत्पादन केंद्र उन्हें अपनी मां के घर जैसा लगता है।

120,800+
आसन पिछले 3 वर्षों में चेन्नइ में बनाए गए है।

कौन

वेलिम्मल जो की मदुराई से है
यह 2017 में गूंज टीम में शामिल हुई।

कहाँ

चेन्नई, तमिलनाडु।

क्यों

बच्चा न होने के कारण इन्हें घर में भेदभाव का सामना करना पड़ रहा था।

कैसे

केंद्र में गर्मजोशी के माहौल ने उसे अपनी व्यक्तिगत चुनौतियों का भी सामना करने की ताकत दी। अब वह अन्य नवागंतुकों के लिए एक प्रेरणा शक्ति है।

690,000+
आसन पिछले 3 वर्षों में पूरे भारत में बनाए गए है।

उत्पादन केन्द्र – गूंज की धड़कन।

पूरे भारत वर्ष में **24** उत्पाद्न केंद्र है।

क्या

यही वो जगह है जहां हम टन की मात्रा में शहरों के कम इस्तेमाल हुए सामान को ग्रामीण भारत के विकास के लिए जरूरी संसाधन के रूप में बदल देते हैं. इन सामान को हम पहले व्यवस्थित करते हैं, उसे दोबारा उपयोग के लायक बनाते हैं और शहरों के बेकार समझे जाने वाले सामान से हम बहुत अलग तरह के खूबसूरत प्रोडक्ट्स बनाते हैं।

कौन

आस–पास के क्षेत्रों से आने वाली महिलाएं इस काम को पूरा करने के लिए अपनी बुद्धि, प्रतिभा व रचनात्मकता का पूर्ण प्रयोग कर रही हैं।

कैसे

विभिन्न कच्चे माल/एकत्रित सामग्री को इकाइयों के रूप में क्रमबद्ध किया जाता है। जो किट के लिए पर्याप्त नहीं हैं, हम उन्हें अलग–अलग लाइफस्टाइल उत्पादों में पुनः उपयोग करते हैं।

कहाँ

दिल्ली, ऋषिकेश, चेन्नई और कोच्चि सबसे बड़ी प्रसंस्करण इकाइयाँ हैं। हमारे पास देश भर में चलने वाली छोटी इकाइयाँ भी हैं।

प्रभाव

विशेष रूप से महिलाओं के लिए रोजगार सृजन का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जो आपदा प्रभावित स्थानों में पैसा कमाने और नए कौशल सीखने के साधन की तलाश में हैं।

ऋषिकेश ईकाई: सुजनी तैयार करने के सबसे उत्तम इकाई

212,000+ सुजनी पिछले **3** सालो में गूंज ऋषिकेश ईकाई में तैयार की गई है।

350,000+ सुजनी पिछले **3** सालो में गूंज की सभी ईकाईयो में तैयार की गई है।

क्या

सुजनी कपड़ो को जोड़कर बनाए हुए गद्दे/रजाई है।

कैसे

वे कपड़े के आखिरी कतरे की कई परतों से बने होते हैं और फिर हाथ से एक साथ सिले होते हैं।

इस्तेमाल

इस सुजनी को सर्दियों में रजाई के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है और गर्मियों में गद्दे के रूप में। ये गूंज आपदा राहत किट और ग्रामीण विकास से संबंधित परिवार किट के आवश्यक तत्व हैं।

ऋषिकेश में 65 महिलाओं की एक टीम द्वारा बड़े पैमाने पर बनाया जाता है जो कि हमारी सबसे बड़ी मात्रा में सुजनी बनाने वाली इकाइयों में से एक है।

NJPC
Not Just a Piece of Cloth

सिर्फ कपड़े का एक टुकड़ा नहीं : मानवीय मुद्दे के लिए कपड़ों के पैड।

4.1+ मिलियन माय पैड पिछले **3** वर्षों में बनाए गए है।

क्या

यह वह जगह है जहाँ पुनः प्रयोग किए जाने वाले कपड़े के पैड बनाए जाते हैं।

कैसे

ओवरसाइज/फटे हुए कपड़े/अर्ध सूती कपड़े जैसे चादर, सूती शर्ट्स, साड़ी, सूट और बच्चों के कपड़ों को धोया जाता है, सुखाया जाता है और पुनः सूती कपड़े के पैड बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

कौन

इन पैड्स को बनाने वाली महिलाएं भी आगंतुकों से बात करती हैं और जागरूकता सत्र में वर्जनाओं को तोड़ने, व्यक्तिगत कहानियों और मासिक धर्म पर शर्म और चुप्पी की संस्कृति के बारे में बात करती हैं।

प्रभाव

ये पैड गूंज की परिवार किट, आपदा राहत (राहत किट) और ग्रामीण विकास (DFW किट) में शामिल हैं।

माय पैड पैकेट में क्या शामिल होता है

इसमें नौ कपड़े के पैड, अंडरगारमेंट्स और इस्तेमाल किए गए फ्लेक्स से बना एक पाउच होता है ताकि महिलाएं पैड को फेकने की चिंता किए बिना अपने गंदे पैड को हटा सकें।

ग्रीन बाय गूंज – कुछ भी बेकार नहीं है।

2,600+ टन सामग्री हम पिछले 3 वर्षों में पुनःप्रयोग में ला चुके है।

क्या

टिकाऊ जीवन के लिए एक ब्रांड – महिलाओं के हमारे इन–हाउस हब द्वारा उनकी रचनात्मकता और प्रयोगों के साथ बनाए गए उत्पादों की एक श्रृंखला।

कैसे

इन इकाइयों की महिलाओं की टीम जीन्स, प्रिंटेड कपड़ो, फ्लेक्स, कैसेट टेप जैसी पूर्व–प्रिय सामग्री से विभिन्न प्रकार के पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली जीने के लिए उत्पाद बनाती है। वे 100 से अधिक उत्पादों एवम डिजाइन बनाते हैं।

कहाँ

आप इन उत्पादों को हमारे दिल्ली केंद्र पर खरीद सकते हैं और अमेजन के माध्यम से ऑनलाइन ऑर्डर भी कर सकते हैं।

www.greenbygoonj.com
http://bit.ly/GBGonAmazon

किसी भी प्रकार के थोक आदेश या खरीदने के लिए कृप्या हमें यहां लिखें
green-by-goonj@goonj.org

प्रभाव

पारंपरिक रूप से शहरी भारत में अपशिष्ट मानी जाने वाली सामग्री को पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए व एक स्थायी जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उत्पादों में पुनर्चक्रित (Recycle) किया जाता है।

ग्रीन बाई गूंज के उत्पाद सभी के लिए।

क्या

गूंज का झोला।

कैसे

छोड़े और बड़े आकार के पैंट और शर्ट के द्वारा बनाया गया।

कहाँ

गूंज के शहरी और ग्रामीण केंद्रों पर उपलब्ध है। यह महिलाओं के लिए बड़े पैमाने पर आजीविका उत्पन्न करता है।

प्रभाव

ये झोले हमारे DFW किट, स्कूल टू स्कूल किट, और आपदा राहत किट में शामिल हैं।

725,000+
झोले पिछले तीन वर्षो में बनाए जा चुके हैं।

1.39+ मलियन मास्क बनाए गए है।

क्या

फेस मास्क (चेहरे के मुखौटे)।

कैसे

कंपनियों द्वारा थोक में प्राप्त सूती कपड़े और पुनर्नवीनीकृत सूती सामग्री के द्वारा बनाए गए है।

कहाँ

हमारे शहरी केंद्रों में और ग्रामीण भारत में महिलाओं द्वारा अपने घरों में बनाए गए है।

प्रभाव

ये फेस मास्क हमारे आपदा राहत किट, ग्रामीण विकास किट (DFW) और स्वास्थ्य देखभाल दाता किट में प्रदान किए जा रहे हैं।

स्कूल टू स्कूल™

100,000+ स्कूल बैग पिछले 3 सालो में बनाएं गए है।

कैसे

स्कूल बैग।

कैसे

छोड़े और बड़े आकार के पैंट और शर्ट के द्वारा बनाया गया।

कहाँ

यह दिल्ली की हमारी उत्पादन इकाई में बनाए जाते है।

प्रभाव

स्कूल बैग को हमारे स्कूल टू स्कूल किट का हिस्सा बनाया गया है।

सभी के लिए उत्पाद

कूदने वाली रस्सी, वॉलेट, चाभी के छल्ले, तकियो के कवर, ऊनी कैप और कई अन्य चीजे शामिल हैं।

ग्रीन बाई गूंज गैलरी

कार्य क्षेत्र की जानकारी

(Rahat Covid, Cyclones Yaas, Tauktae, Amphan, Nisarga, Nivar, Assam & Bihar Floods)

प्राथमिक सहयोग	अप्रैल 20 से मार्च 21	अप्रैल 21 से जुलाइ 21	Total
राशन और अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाई गयी	9.4+ Million kg	4.2+ Million kg	13.60+ Million kg
परिवारों तक पहुंच	450,000+	100,000+	550,000+
तैयार भोजन पहुंचाया गया	360,000+	85,000+	445,000+

स्वास्थ्य रक्षा संबंधित पहल			
फेस मास्क	875,000+	520,000+	1.32+ Million
MY Pads (सैनिटरी पैड)	1,300,000+	380,000+	1.60+ Million

साझेदारी		
संगठन जिनके साथ हम कार्य कर रहे हैं	500+	500+
राज्य जिनमे हम कार्य कर रहे हैं	27	22

किसानो से सीधे तौर से फल और सब्जिया खरीदी गयी			
	225,000+ kg	100,000+ kg	325,000+ kg

डिग्निटी फॉर वर्क (DFW) परियोजनाएं			
	10,500+	500+	11,000+
सब्जी बागान लगाए गए	1,500+	10+	1,510+
जल संसाधन सहयोग			
तालाब	450+	40+	490+
नहर	870+	20+	890+
निजी स्नानगार, एवम् शौचालयो का निर्माण	1,130+	30+	1,160+

चिकित्सीय हस्तक्षेप (April 2021 onwards)	
आप अकेले नहीं हैं (स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र)	20
परिवारो तक दवाइयों की किट पहुंचाई गई	90,000+
स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं को किट प्रदान की गई	14,000+
पी.पी.ई किट	32,000+
ऑक्सिजन सिलेंडर / सांद्रक	

(Cumulated Data as on July 28th)

काम जारी है

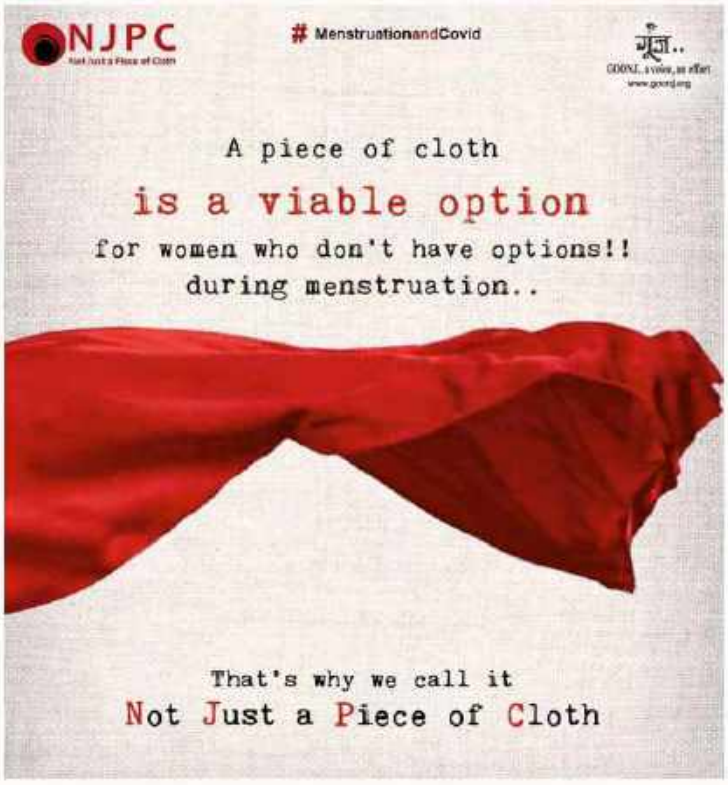

"For millions.. dal chawal is the oxygen needed to survive."
- by Anshu Gupta in The Indian Express

https://bit.ly/3v6RbIc

"Why COVID-19 relief should include the needs of 'missed-out'communities" - by Anshu Gupta in IDR

https://bit.ly/2RkEuL4

SCAN TO DONATE

हमारा साथ दें:

सामग्री सहयोग के रूप में
https://bit.ly/2yR000h

राशि सहयोग के लिए
https://goonj.org/donate/

गूँज के लिए फंड रेजिंग कैंपेन शुरू करने के लिए हमे **jibin@goonj.org पर मेल करे।**
पिछली डिग्निटी डायरी को पढने के लिए यहां क्लिक करें:
visit: https://goonj.org/dignitydiaries/

मुख्यालय :जे–93, सरिता विहार,
नई दिल्ली – 76

011-26972351, 41401216

www.goonj.org

mail@goonj.org